अन्गन लीरॆ आरतुलु अन्गज गुरुनकु नारतुलु

अन्नमाचार्य

अन्गन लीरॆ आरतुलु अन्गज गुरुनकु नारतुलु ॥
अन्गन लीरॆ आरतुलु अन्गज गुरुनकु नारतुलु ॥

श्रीदॆवि तॊडुत चेलगुचु
नव्वॆ आदिम पुरुषुनकु आरतुलु ।
मॆदिनी रमणि मॆलमु लाडॆटि
आदित्य तॆजुनकु आरतुलु ॥

सुरलकु नम्रुतमु सोरदि
नोसन्गिन हरिकिदिवॊ पसिडारतुलु ।
तरमिडि दुष्टुल दनुजुल
नडचिन अरि भयन्करुन आरतुलु ॥

निच्चेलु कळ्याण निधियै
ऎगॆटि अच्युतुनकु निवॆ आरतुलु ।
चोच्चि श्रीवॆन्कटॆशु अलमॆल्मन्ग
अच्चुग निलिचिरि आरतुलु ॥

www.bharatiweb.com